

नेतागिरी विकास केंद्र

नेतृत्व विकास केंद्र' हमारे शहर के बीचोबीच एक नए बने बहु मंजिल इमारत के सामने यह बोर्ड पढ़ा तो लगा हम कहां कहां विकास कर गए? नए नए स्टार्टअप, नए नए आइडिया से भर गए। प्रबंधन विकास केंद्र देखा, लेकिन यह नेतागिरी विकास केंद्र (नेविके) ने तो



सोचने पर विवश किया। मैं भवन के स्वागत कक्ष में पहुंचा। यहीं से अभ्यर्थियों, नेतृत्व विकासार्थियों के लिए जाल फेंका जाता होगा। रिसेप्शनिस्ट भारतीय परिधान साड़ी में सजी सुंदर युवती, जैसे किसी बहुत बड़े स्टार होटल में होती हैं। मैं पूछने वाला ही था कि उसने पास रखे सोफे पर बैठने का इशारा किया। मैं आस पास के फ्रेमों में जड़े स्लोगन देख रहा था। नेता बनने के लिए आपको किसी पद पर होना जरूरी नहीं है। नेतृत्व एक ऐसी चीज है जिसे आप अर्जित करते हैं, जिसके लिए आपको चुना जाता है। आप चिल्लाते हुए नहीं आ सकते, मैं आपका नेता हूँ!' अगर ऐसा होता है, तो इसका मतलब है कि दूसरे लोग आपका सम्मान करते हैं। जो व्यक्ति हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है, वह उदाहरण देकर स्वाभाविक नेता बन जाता है। नेता बनने से पहले, सफलता का मतलब है खुद को आगे बढ़ाना। जब आप नेता बन जाते हैं, तो सफलता का मतलब है दूसरों को आगे बढ़ाना. नेता वह है जो रास्ता जानता है, रास्ते पर चलता है, और रास्ता दिखाता है। भविष्य उन लोगों का है जो अपने सपनों की सुंदरता में विश्वास करते हैं। जब नेतृत्व नहीं होता, तो समाज ठहर जाता है। प्रगति तब होती है जब साहसी, कुशल नेता चीजों को बेहतर बनाने के अवसर का लाभ उठाते हैं। मुझे लगा मैं किसी और देश में तो नहीं आ गया हूं जहां नेतृत्व के विकास के इस पुस्तकीय सिद्धांतों और परिभाषाओं का अनुसरण किया जाता है। मैं बैठे बैठे सोच ही रहा था कि एक बुजुर्ग आकर मेरे पास के सोफे में विराजे। मुझे उनका चेहरा कुछ जाना पहचाना लग रहा था, लेकिन नाम याद नहीं आ रहा था। जब उन्होंने अपना परिचय दिया तो याद आया सात साल पहले पार्टी से इन्हें पार्टी निधि हड़पने, कई घोटाले करने, करोड़ों रुपयों के भ्रष्टाचार के आरोप में पार्टी से और कहा जाए तो राजनीति से भी निकाल बाहर किया गया था। उन्होंने कहा मैं इस नेतृत्व विकास केंद्र का विशेष सलाहकार हूं। बताएं आप किस लिए पधारे हैं? मैने अपना तुरुप का इक्का निकाला जी मैं पत्रकार हूं। नया भवन, नया परिसर, नया बोर्ड देखा तो जानने चला आया। बुजुर्ग के इशारे पर चाय और बिस्कुट आ गए। पहले बताते तो हम अपने और साथियों से मिलवाते क्योंकि अभी सिर्फ एडमिशन चल रहा है। एक माह बाद कक्षाएं चलाई जाएंगी। मैं चाय सुड़कते हुए पूछा किस आधार पर प्रवेश मिलता है? हम एक प्रवेश परीक्षा लेते हैं, जिसकी फीस दो हजार रुपए होती है। क्या होता है प्रवेश परीक्षा में? हम अभ्यर्थी का आई क्यू, हालातों से सामना करने का गुण, राजनीतिक ज्ञान आदि अनेक विषयों पर प्रश्नपत्र देते हैं। इससे हमें उनकी योग्यता का एक्स रे दिख जाता है। अब तक तो काफी लोग नेता बनने आ गए होंगे। बिल्कुल। अब तक डेढ़ हजार लोगों ने परीक्षाएं दी हैं जिनमें हम पांच सौ को चुनकर प्रशिक्षण देंगे। स्थितियों के अनुसार व्यवहार, अभिनय और भावाभिव्यक्ति, संदर्भानुसार संवाद, कहीं कही असरस से काम चलाना मतलब नेताओं को जिन गुणों और योग्यताओं की जरूरत होती है, वह हम उन्हें मुहैया कराएंगे। अच्छा है। साल भर के प्रशिक्षण का शुल्क क्या होगा? आप आयकर वाले सवाल न करें। आपकी जैसी इच्छा। लेकिन अगर मैं अनुमान लगाऊं तो प्रशिक्षण के दौरान सभी छात्रों को छात्रावास में रहना होगा। छात्रावास और प्रशिक्षण के लिए प्रति प्रशिक्षु पांच लाख रुपए वसूले जाएंगे। ठीक है न? उस बुजुर्ग ने रिसेप्शनिस्ट की ओर देखा। मैंने कहा मुझे किसी ने कुछ नहीं बताया। यह मेरा अनुमान है। शायद सही है। जी हां। बाकी विवरण हमारे ब्रोशर में देखिए।' कहते हुए एक पुस्तिका मुझे पकड़ाया। जब सत्ता पार्टी और राजनीति से आप बाहर कर दिए गए तो आपको इस तरह की संस्था खड़ी करने में सात साल लग गए? आप फैकल्टी भी होंगे? मैं अकेला नहीं। कई घाघ नेता, मंत्री, सांसद और विधायक भी इसमें विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। रही बात समय लगने की तो मुझे आज का वर्तमान समय ही इस तरह नेतृत्व सिखाने का सही समय लगा। झगड़े, लड़ाई, आत्मरक्षा, हंगामा करना भी पाठ्यक्रम का अंश होगा क्योंकि इनके बिना नेता कैसा? बिल्कुल। हम कराटे, कुंगफू, बोल्डरों से निबटने जैसी कलाएं भी सिखाएंगे ताकि वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और लड़ाई झगड़ों में नेताओं की तरह व्यस्त रहें। असल बोलने वाले सत्र को कौन संभालेंगे? आपको क्या लगता है? हमारे क्षेत्र के सांसद और विधायक इन सत्रों के संकाय होंगे। आप क्या सिखाएंगे प्रभु जी? हम उन्हें धन का सदुपयोग और धनार्जन के तरीके सिखाएंगे।

निमाड़-मालवा के संगम पर बसे मनावर को जिला बनाने की कवायद

-प्रशासनिक सुगमता के साथ खुलेंगे विकास के नए द्वार '-जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल के समक्ष दोहराई मांग- 100-120 किमी दूर जिला मुख्यालय जाने की मजबूरी: -पांच तहसीलों को मिलाकर मनावर को नया जिला बनाया जाय-मनावर, कुक्षी, धरमपुरी, गंधवानी और डही की करीब 15 लाख आबादी को है प्रशासनिक विकेंद्रीकरण का इंतजार

धरमपुरी। सैयद रिजवान अली **मध्य प्रदेश के धार जिले की पांच प्रमुख तहसीलों—मनावर, कुक्षी, धरमपुरी, गंधवानी और डही (प्रस्तावित उमरबन सहित)—को मिलाकर मनावर को स्वतंत्र जिला बनाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। भौगोलिक रूप से इन सभी तहसीलों के केंद्र में स्थित मनावर को जिला मुख्यालय घोषित किए जाने से क्षेत्र की लगभग 15 लाख से अधिक आबादी को सीधा प्रशासनिक और आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।**



दूरी और समय की बर्बादी सबसे बड़ी समस्या-वर्तमान में धार जिला मुख्यालय की भौगोलिक स्थिति के कारण डही, कुक्षी, गंधवानी, धरमपुरी और मनावर के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के नागरिकों, किसानों और विद्यार्थियों को छोटे-छोटे राजस्व, पुलिस व न्यायालयीन कार्यों के लिए 75 से 120 किलोमीटर तक की लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे न केवल समय और धन की बर्बादी होती है, बल्कि शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में भी कठिनाई आती है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि मनावर के केंद्र में होने के कारण इन पांचों तहसीलों से वहां पहुंचना बेहद सुगम होगा।

सर्वदलीय समर्थन और हालिया पहल-मनावर को जिला बनाने की यह मांग लंबे समय से क्षेत्र में एक सर्वदलीय मुद्दे के रूप में उभरी है, जिस पर समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने एकजुटता दिखाई है। गत दिनों पूर्व सांसद छतरसिंह दरबार ने डही प्रवास के दौरान राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र सौंपकर मनावर को नया जिला घोषित करने तथा शहर के यातायात दबाव को कम करने के लिए मनावर बायपास निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई। वहीं, स्थानीय विधायक डॉ. हीरालाल अलावा भी विधानसभा और शासन स्तर पर लगातार इस विषय को उठाते रहे हैं। हाल ही में जिला पंचायत सदस्य, मनावर विधानसभा के युवा नेता शिवराम गोपाल कन्नौज ने भोपाल पहुंचकर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव से भेंट कर मनावर की विभिन्न जन समस्याओं और विकास कार्यों का मांग पत्र सौंपा जिसमें मनावर को जिला बनाए जाने की मांग मुख्य रूप से की गई।

विकास और औद्योगिक संभावनाओं को मिलेगा बल-क्षेत्र के नागरिकों और व्यापारिक संगठनों के अनुसार, मनावर और आसपास के क्षेत्रों में सीमेंट उद्योग सहित कृषि आधारित उद्योगों की व्यापक संभावनाएं हैं। नया जिला बनने से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा और सड़क संपर्क का तेजी से विस्तार होगा। मनावर में पहले से ही कई बड़े शासकीय भवन और प्रशासनिक परिसर विकसित हो चुके हैं, जिन्हें भविष्य के जिला मुख्यालय के रूप में उपयोगी माना जा रहा है। फिलहाल, क्षेत्र की जनता और जनप्रतिनिधियों की निगाहें राज्य सरकार के आगामी प्रशासनिक पुनर्गठन के फैसलों पर टिकी हैं।

'स्पिक मैके' के तत्वावधान में 'हस्तकला' और विशेष प्रदर्शनी में बाग प्रिंट की धूम

सिंगापुर में बिखरी भारतीय हस्तशिल्प की अनूठी छटा



बाग – सिंगापुर: भारत की सदियों पुरानी समृद्ध वस्त्र विरासत और पारंपरिक कला का डंका अब सात समंदर पार सिंगापुर में भी जोर-शोर से बज रहा है। प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्था 'स्पिक मैके' के तत्वावधान में सिंगापुर के प्रतिष्ठित 'सिंफास मल्टीपर्पज स्टूडियो' में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'हस्तकला' के साथ-साथ सिंगापुर के एक अन्य प्रमुख स्थल पर आयोजित भव्य प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध पारंपरिक बाग हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग का शानदार प्रदर्शन किया जा रहा है।

इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महोत्सव में राष्ट्रीय पुरस्कार एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित मास्टर शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री और डॉ. मोहम्मद आरिफ खत्री अपनी अद्भुत कारीगरी का जादू बिखेर रहे हैं।

दो दिवसीय आयोजन में प्रवासी भारतीयों की जमकर खरीदारी, विदेशी भी हुए कायल-24 और 25 नवंबर को सिंगापुर के दोनों ही स्थानों पर आयोजित इस भव्य प्रदर्शनी में कला प्रेमियों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। दोनों दिन कार्यक्रम में सिंगापुर के स्थानीय नागरिकों, विभिन्न देशों से आए कला पारखियों और वहां बसे प्रवासी भारतीयों की भारी भीड़ उमड़ी। प्राकृतिक रंगों और लकड़ी के ठप्पों से तैयार इस पारंपरिक बाग प्रिंटिंग ने सभी का मन मोह लिया।

विशेष रूप से प्रवासी भारतीय परिवारों और महिलाओं में अपनी मिट्टी की इस कला के प्रति जबरदस्त दीवानगी देखी गई और उन्होंने बाग प्रिंट की पारंपरिक साड़ियों, सूट, स्टोल और दुपट्टों की जमकर खरीदारी की। केवल भारतीय समुदाय ही नहीं, बल्कि सिंगापुर के स्थानीय निवासियों और अन्य देशों के विदेशी नागरिकों ने भी इस हस्तकला की बारीकियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और इसके फैशन व कलात्मक सौंदर्य के कायल हो गए।

अपने हाथों से ठप्पा लगाकर यादगार के तौर पर साथ ले जा रहे हैं रूमाल-इस पूरे आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी लाइव वर्कशॉप और इंटरैक्टिव अनुभव रहा। मोहम्मद बिलाल खत्री और डॉ. मोहम्मद आरिफ खत्री ने केवल इस सदियों पुरानी कला की बारीकियों और प्राकृतिक रंगाई की जटिल प्रक्रिया से लोगों को रूबरू करा रहे हैं, बल्कि वहां मौजूद कला प्रेमियों को खुद अपने हाथों से कपड़े पर ठप्पा (ब्लॉक) लगाने का सुनहरा अवसर भी दे रहे हैं। बिलाल और आरिफ खत्री स्वयं लोगों का मार्गदर्शन करते हुए उनके हाथों से लकड़ी के पारंपरिक ठप्पों की छपाई करवा रहे हैं। विदेशी मेहमान और स्थानीय लोग बड़े ही उत्साह और बारीकी से अपने हाथों से सुंदर ठप्पा लगाकर एक बेहतरीन रुमाल (हैंकी) तैयार कर रहे हैं और भारतीय कला की इस अनमोल निशानी को गर्व के साथ अपने घर लेकर जा रहे हैं। स्पिक मैके के सहयोग से भारत की जीवंत कलात्मक परंपराओं और रचनात्मकता का जश्न मनाता यह दो दिवसीय आयोजन भारतीय हस्तशिल्प के वैश्विक स्तर पर बढ़ते गौरव और लोकप्रियता की एक शानदार मिसाल पेश कर रहा है।

सोयाबीन एवं गेहूं के ऋणमान में 10 प्रतिशत तक वृद्धि का प्रस्ताव

धार। कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना की अध्यक्षता में 25 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में वर्ष 2027-28 के लिए जिले की प्रमुख फसलों के ऋणमान निर्धारण के संबंध में जिला स्तरीय तकनीकी समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं कृषि उपज मंडियों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर आगामी वित्तीय वर्ष के लिए फसल ऋणमानों के निर्धारण की अनुशंसा की गई। बैठक में तकनीकी समिति के संयोजक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, धार श्री के.के. रायकवार ने विभिन्न विभागों तथा जिले की मंडियों से प्राप्त प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए। समिति के सदस्यों ने प्रस्तावों का अवलोकन कर फसलों की लागत, कृषि संबंधी आवश्यकताओं एवं किसानों के सुझावों के आधार पर ऋणमानों में संशोधन की अनुशंसा की। बैठक में कृषक सदस्यों के अनुरोध पर सोयाबीन एवं गेहूं की फसल के ऋणमान में गत वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत तक वृद्धि करने की अनुशंसा की गई। इसी प्रकार शेष फसलों के ऋणमान में 5 प्रतिशत तक वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा गया। इसका उद्देश्य किसानों को फसल उत्पादन के लिए आवश्यक कृषि आदानों एवं अन्य व्यय की पूर्ति हेतु पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराने में सहायता करना है। बैठक में किसानों की एक महत्वपूर्ण मांग पर भी विचार किया गया। किसानों द्वारा 5 लाख रुपये तक शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। इस पर समिति ने किसानों के हित में उक्त प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्णय लिया, ताकि किसानों को कृषि कार्यों के लिए सुलभ एवं कम लागत पर ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा सके।

पुत्र के विवाह में 101 गौमाताओं का दान, 5 श्रेष्ठ नंदी, 2100 से अधिक पौधे एवं पर्यावरण अनुकूल भोजन व्यवस्था से समाज को दिया अनुकरणीय संदेश

अमझेरा – ग्राम राजपुर के उन्नत कृषक शोभाराम – नारायण चौधरी के **ने अपने सुपुत्र शुभम चौधरी के वैदिक विवाह में 101 गौमाता,5 नंदी व 2100 से अधिक पौधो का दान एवं वितरण कर गौसेवा,गौसंवर्धन, पर्यावरण संरक्षण एवं सनातन संस्कृति से जोड़कर एक प्रेरणादायी सामाजिक पहल कर अनुकरणीय कार्य किया गया है वहीं आज के आधुनिक युग में सभी को सनातन संस्कृति से जोड़ने वाला आयोजन कर समाज को प्रेरणादायी संदेश देने का कार्य किया है और उनके इस आयोजन का प्रभाव भी लोगो पर हुआ है जिसके तहत उनके इस आयोजन से प्रेरित होकर विभिन्न महानुभावों ने 19 अतिरिक्त गौमाताओं**



के दान की घोषणा की।

पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए उनके द्वारा प्लास्टिक डिस्पोजल का त्याग कर देसी खाखरे के पत्तों से बनी पत्तल-दोनों का उपयोग किया गया तथा बिना मावे के भोजन की व्यवस्था रखी गई। समारोह में बालीपुर धाम के श्री योगेश जी महाराज, बलवारी धाम के श्री चंदन जी वैरागी, तारखेड़ी हनुमान धाम के पूज्य गुरुदेव, पंडित सुधाष जी शर्मा, जगदीश शर्मा एवं उज्जैन के राम संप्रदाय के संत-महात्माओं का आगमन हुआ। संतों ने चिरंजीवी शुभम को आशीर्वाद स्वरूप पवित्र श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की। इसके साथ ही इस अवसर पर अखिल भारतीय सिवीं महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल जी गेहलोत, युवा प्रदेश अध्यक्ष लखन जी काग, महिला प्रदेश अध्यक्ष श्र ललिता शैलेश जी पंवार, पाटीदार समाज प्रदेश अध्यक्ष कृष्णकांत जी पाटीदार, राजपूत समाज महासचिव सुरेंद्र जी पटेल, जाट महासभा सदस्य अशोक जी पटेल, मारू महासभा प्रदेश प्रतिनिधि रामचंद्र जी मारू, हॉर्स एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष पवन जी चावड़ा, ओंकारेश्वर ट्रस्ट अध्यक्ष केसर सिंह जी हामड़ एवं उज्जैन ट्रस्ट अध्यक्ष भगवान जी चैहान सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। शोभारामजी ने बताया कि विवाह जैसे मांगलिक आयोजन केवल पारिवारिक उत्सव न रहकर गौसेवा, जीवदया, धर्म-संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण के माध्यम से समाज में नई चेतना जगाने का माध्यम बनें। यह आयोजन सर्वसमाज के लिए प्रेरणा बने और आने वाली पीढ़ियों में सेवा, संस्कार एवं समर्पण की भावना जागृत करे एवं सेवा, संस्कार, गौसंवर्धन और प्रकृति संरक्षण ही सनातन संस्कृति की सच्ची पहचान है जिसे बनाये रखने की की दिशा में जो कार्य चौधरी परिवार के द्वारा किया गया है वह प्रशंसनीय कार्य होकर सभी के लिए अनुकरणी कार्य है।

आधुनिक युग में दिया सनातन संस्कृति का प्रेरणादायी संदेश

संविधान दिवस पर जिला न्यायालय धार में हुआ कार्यक्रम, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया वाचन



धार। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), धार के तत्वावधान में जिला न्यायालय परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती ममता जैन ने की। कार्यक्रम में उपस्थित न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालयीन कर्मचारियों ने भारत के संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) का सामूहिक वाचन किया। इस दौरान संविधान में वर्णित न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के आदर्शों को अपने आचरण में अपनाने तथा संवैधानिक दायित्वों के प्रति निष्ठावान रहने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्रीमती मेरी गाग्रेट फ्रांसिस डेविड, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्रीमती पावस श्रीवास्तव, चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती संगीता पटेल, जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री रामसहारे राज, पंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री चौधरसिंह शैयाम, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती सविता ठाकुर, श्री राहुल वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नताशा शेख पटेल सहित जिला मुख्यालय पर पदस्थ समस्त न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर नौ दिवसीय वंदे मातरम् भाव जागरण अभियान का भव्य समापन, सामूहिक गायन में उमड़ा जनसमूह

कुक्षी में राष्ट्रभक्ति के स्वर से गूंजा वंदे मातरम

ईफराज कुरैशी, कुक्षी। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय चेतना के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कुक्षी में 18 से 26 नवम्बर तक संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय वंदे मातरम् भाव जागरण अभियान का समापन 26 नवम्बर को गरिमामय एवं राष्ट्रभक्तिपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रातः 11 बजे सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सम्पूर्ण गीत गुंजायमान हुआ। राष्ट्रगीत के स्वरों से पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों के साथ ही शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों व शिक्षकों की बड़ी चहल-पहल भागीदारी रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ अभिभाषक मनोहरलाल जैन पुराणिक तथा विशिष्ट अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, पद्मिनी चक्रण व रेखा जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक मनोज साधु ने संविधान की उद्देशिका का वाचन किया। साथ ही वंदे मातरम् राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व तथा वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। आपने कहा कि वंदे मातरम् राष्ट्र के प्रति भावना के प्रकटीकरण का उत्कृष्ट भाव है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ अभिभाषक मनोहरलाल जैन पुराणिक ने कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम् आत्मा का सुन्दर प्रकाशन है। यह स्व-जागरण का मंत्र है। अभियान को सफल बनाने में रहा सामूहिक योगदान -नौ दिवसीय अभियान को सफल बनाने में जयंतिलाल पाटीदार, एडवोकेट, राजेन्द्र गुप्ता, जितेन्द्र भावसार, रविन्द्र जैन रूपम, अखिलेश राठौड़, विजय मुलेवा, राकेश पाटीदार, अनिल पाण्डेय, अरविन्द ठाकुर, सोहन बृजवासी, मनीष भावसार, दीपक शर्मा, विनोद गुप्ता, मोहन चौपड़िया सहित समाज व स्वयंसेवी बंधुओं का सराहनीय योगदान रहा। शिक्षण संस्थाओं को वितरित किए 50 जागरूकता पोस्टर-अभियान के अंतर्गत प्रेस क्लब कुक्षी की ओर से राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सम्पूर्ण छह पदों का भावार्थ सहित 50 पोस्टर शिक्षण संस्थाओं को वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और नई पीढ़ी को राष्ट्रगीत के प्रत्येक पद के भाव, ऐतिहासिक महत्व एवं राष्ट्रीय चेतना से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता राजेन्द्र गुप्ता ने किया तथा आभार सह सचिव श्यामसुंदर गुप्ता ने माना। राष्ट्रगीत के सामूहिक स्वर, संविधान की उद्देशिका का वाचन और नई पीढ़ी की सक्रिय सहभागिता के साथ कुक्षी में नौ दिवसीय वंदे मातरम् भाव जागरण अभियान ने राष्ट्रप्रेम, एकता और राष्ट्रीय चेतना का प्रेरक संदेश दिया।



डाक सेवाओं को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

धार। भारतीय डाक विभाग द्वारा डाक सेवाओं को आधुनिक, सरल एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए धार प्रधान डाकघर स्थित डाकघरों में इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (इडब्ल्यू) लागू किया गया है। इस नई डिजिटल प्रणाली के माध्यम से डाक विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है। प्रधान डाकघर के पोस्टमास्टर ने बताया कि इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत प्रधान डाकघर से लेकर शाखा डाकघर तक सभी डाकघरों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। इससे डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं और कार्यालयीन कार्यों को एक ही प्रणाली के माध्यम से संचालित करने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली से पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (PLI) के केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र (सेंट्रल प्रोसेसिंग सेंटर) भी जुड़ गए हैं। इससे डाक जीवन बीमा से संबंधित प्रक्रियाओं को भी एकीकृत डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से संचालित करने में मदद मिलेगी।